

इंडिया मोबाइल कांग्रेस में दिखी भविष्य की टेक्नोलॉजी

- ▶ एग्रीकल्चर ड्रोन से लेकर कई सेंसर हुए प्रस्तुत
- ▶ लाइट, डेटा और रोबोट का भविष्य में दिखेगा तालमेल

नवभारत न्यूज नई दिल्ली,08 अक्टूबर. इंडिया मोबाइल कांग्रेस में इस बार केवल तेज इंटरनेट यानी 5 और 6जी की ही चर्चा नहीं है, बल्कि यहां भविष्य की ऐसी तकनीकों का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है जो इंसानी कामकाज और खेती किसानों की पूरी तस्वीर बदल देंगी. इस प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र एलआईएफ आई टेक्नोलॉजी , एग्रीकल्चर ड्रोन और मिट्टी जांच सेंसर बने हुए हैं.



ये तीनों तकनीकें इस बात का साफ संकेत हैं कि आने वाला कल लाइट, डेटा, एआई और रोबोटिक्स के तालमेल से चलेगा. द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में चल रही प्रदर्शनी में लाई-फाई यानी लईट फिडेलिटी तकनीक पर आधारित एक हाइड्रोलिक मशीन का हैरतअंगेज डेमो दिखाया गया.

इस तकनीक में पारंपरिक रेडियो तरंगों के बजाय एलईडी की रोशनी के जरिए डेटा ट्रांसफर किया जाता है. इस तकनीक के तहत जब लैंपटॉप से कोई कमांड दी जाती है तो लाइट की अदृश्य रूप से बदलती तीव्रता को रिसीवर , डिजिटल डेटा में बदल कर हाइड्रोलिक मशीन को निर्देश भेजकर काम आरंभ कर देता है.

विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में इस तकनीक की मदद से एक ऑपरेटर दूर बैठकर कंप्यूटर के जरिए कई भारी मशीनों को एक साथ कंट्रोल कर सकेगा. जब इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ा जाएगा, तो फैक्ट्रियों और उद्योगों में काम करने का तरीका पूरी तरह ऑटोमैटिक हो जाएगा. हालांकि

इससे पारंपरिक और एक जैसे रहने वाले रोजगार के तरीके बदलेंगे, लेकिन प्रोग्रामिंग, मेंटेनेंस और डिसीजन मेकिंग के क्षेत्रों में नौकरियों के नए रास्ते भी खुलेंगे. इसके अलावा, लाई-फाई तकनीक उन संवेदनशील जगहों जैसे अस्पताल या सैन्य ठिकाने के लिए बेहद सुरक्षित है जहां रेडियो फ्रीक्वेंसी के कारण हॉकिंग या डेटा लीक का खतरा रहता है. इस प्रदर्शनी में कृषि के क्षेत्र में तकनीक का सबसे बड़ा चमत्कार एग्रीकल्चर ड्रोन के रूप में सामने आया है. डेमो के दौरान बताया गया कि यह ड्रोन महज दस से पंद्रह मिनट में तीन एकड़ तक के बड़े क्षेत्र में कोटनाशकों और खादों का छिड़काव कर सकता है.

भोपाल बैटलग्राउंड में 25 टीमों की जंग

▶ 11 अक्टूबर को मुकाबला

नवभारत कनेक्ट भोपाल, 8 अक्टूबर. आर्चित जैन पॉडकास्ट की ओर से पहली बार भोपाल बैटलग्राउंड सीजन-1 बीजीएमआई स्क्वाड टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है. नि:शुल्क होने वाले इस टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण 11 अक्टूबर को आर्चित जैन पॉडकास्ट के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा. टूर्नामेंट का पोस्टर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने जारी किया. मंत्री विजेता टीमों को ट्रॉफी भी प्रदान करेंगे.



टीमों के प्रदर्शन के आधार पर मिलने वाले कुल अंकों से विजेता का फैसला होगा. आयोजकों ने प्रतिযোগिता में भाग लेने के लिए प्रवेश शुल्क नहीं रखा है. हालांकि, इसमें शामिल होने के लिए डायमंड स्तर की न्यूनतम योग्यता निर्धारित की गई है. आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में निष्पक्षता और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. प्रत्येक प्रतिभागी को आधिकारिक प्रमाण-पत्र दिया जाएगा. शीर्ष तीन टीमों को

विजेता, उपविजेता और द्वितीय उपविजेता की ट्रॉफी मिलेगी. विजेता टीम को आर्चित जैन पॉडकास्ट के वीडियो साक्षात्कार में शामिल होने का मौका भी दिया जाएगा. इसके अलावा विजेता टीम को कहानी सेंट्रल क्रॉनिकल में प्रकाशित की जाएगी. आयोजकों का कहना है कि प्रतियोगिता का उद्देश्य भोपाल के गेमिंग खिलाड़ियों को एक मंच उपलब्ध कराना और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देना है.

रचनात्मक अर्थव्यवस्था में 2030 तक 100 अरब डॉलर का लक्ष्य

डॉ. एल. मुरुगन ने कहा- भविष्य युवाओं का, एनीमेशन-गेमिंग क्षेत्र में 20 लाख कुशल पेशेवरों की जरूरत

नवभारत कनेक्ट नोएडा, 8 अक्टूबर. भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता का बड़ा क्षेत्र बन सकती है. केंद्र सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है. वहीं एनीमेशन, गेमिंग और दृश्य प्रभाव क्षेत्र में करीब 20 लाख कुशल पेशेवरों की जरूरत होगी.



शामिल हुए. उन्होंने कहा कि भारत को केवल तकनीक और रचनात्मक सामग्री का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि दुनिया के लिए रचनात्मक समाधान तैयार करने वाला देश बनना है. उन्होंने कहा कि सरकार 2047 तक युवाओं के विकास के लिए एंटरप्रेनर तैयार कर रही है. नई शिक्षा नीति में भी रोजगार तलाशने के साथ उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है. कार्यक्रम में

जेआईआईटी और जेआईआईटी ऑनलाइन के बौटेक, एमटेक, बीबीए, एमबीए, बीसीए और एमसीए कार्यक्रमों के शिक्षार्थी शामिल हुए. ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को पहली बार परिसर में आकर संस्थान के नेतृत्व, शिक्षकों और अन्य विद्यार्थियों से सीधे संवाद का अवसर मिला. कार्यक्रम के बाद शिक्षार्थियों ने डिजिटल लर्निंग सेंटर, रिकॉर्डिंग स्टूडियो और लाइव ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधाएं देखीं. उन्होंने उन शिक्षकों से भी मुलाकात की, जिन्हें अब तक वे केवल ऑनलाइन माध्यम से देखते आए थे. जेआईआईटी के प्रो चॉंसलर डॉ. एस.सी. सक्सेना ने कहा कि भले ही शिक्षार्थियों की पढ़ाई का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन माध्यम से होता है, लेकिन परिसर में बिताया यह दिन संस्थान के साथ उनकी यात्रा का यादगार हिस्सा हो सकता है.

अमेरिका-ईरान तनाव से उछला तेल

- ▶ डब्ल्यूटीआई 1.85% बढ़कर 89.90 डॉलर प्रति बैरल
- ▶ ब्रेंट में करीब 2% उछाल, कीमत 102 डॉलर के पार

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल के बाजार में एक बार फिर हलचल बढ़ा दी है. स्टेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच टकराव की आशंका से गुरुवार सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया.

सुबह 8:50 बजे अमेरिकी डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल 1.85 प्रतिशत बढ़कर 89.90 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया, जबकि

ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 2 प्रतिशत की तेजी के साथ 102 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई. कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और तेल आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता है. अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ नए हमले किए जाने की आशंका ने बाजार की चिंता बढ़ाई है. इसके अलावा मेक्सिको की खाड़ी में तेल उत्पादकों ने भी अपना करीब एक चौथाई उत्पादन बंद कर दिया है. हालांकि पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति युद्ध से पहले के स्तर के करीब लौटने की बात कही जा रही है, लेकिन टैंकरों पर हमले का खतरा अभी बना हुआ है.

भारत के लिए तेल की कीमतों में यह तेजी चिंता बढ़ाने वाली है. भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है. ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंबे समय तक कीमते ऊंची रहने पर देश का आयात बिल बढ़ सकता है. इसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों के साथ परिवहन और माल ढुलाई की लागत पर भी पड़ सकता है. परिवहन महंगा होने से खाद पदार्थों समेत कई जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है. फिलहाल घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तत्काल बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन कच्चे तेल में तेजी लंबे समय तक बनी रही तो इसका असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने की आशंका है.

एचसीएल टेक ने उतारे 20 इंडस्ट्री एआई समाधान

- ▶ विजनएक्स से परिचालन लागत में 70% तक कमी का दावा
- ▶ दवा सुरक्षा रिपोर्ट की प्रक्रिया में 40-50% समय बचा

नवभारत न्यूज नेटवर्क नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएलटेक ने कारोबार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए 20 इंडस्ट्री एआई समाधान पेश किए हैं. कंपनी का फोकस ऐसे एआई उपकरणों पर है, जिन्हें किसी खास उद्योग या कारोबारी काम की जरूरत के अनुसार तैयार किया गया है. बैंकिंग, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, विमान, खुदरा, दूरसंचार, मोबिलिटी, ऊर्जा

और विनिर्माण क्षेत्र के लिए तैयार इन समाधानों में कई का ग्राहकों के यहां बड़े स्तर पर इस्तेमाल होने का दावा किया गया है एचसीएलटेक ने उद्योगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल को प्रयोग उपकरण निर्माता ने उसके स्वचालित भुगतान समाधान का इस्तेमाल शुरू किया है, जिससे चालान प्रक्रिया का समय 60 प्रतिशत कम हुआ. विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में इस्तेमाल होने वाले विजनएक्स मंच ने कारखानों और गोदामों में प्रतिक्रिया समय 90 प्रतिशत से अधिक घटाने और परिचालन लागत 70 प्रतिशत कम करने का दावा किया है. स्मार्टट्विन के जरिए उत्पाद और संयंत्र को वास्तविक रूप से तैयार करने से पहले उसका आभासी परीक्षण किया जा सकता है, जिससे बाजार में उतारने का समय 44 प्रतिशत तक बेहतर हुआ.

लेकिन इसके लिए उद्योग विशेष की समझ और बड़े स्तर पर इस्तेमाल की क्षमता जरूरी है. कंपनी के मुताबिक, एक वैश्विक मोटरसाइकिल और उपकरण निर्माता ने उसके स्वचालित भुगतान समाधान का इस्तेमाल शुरू किया है, जिससे चालान प्रक्रिया का समय 60 प्रतिशत कम हुआ. विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में इस्तेमाल होने वाले विजनएक्स मंच ने कारखानों और गोदामों में प्रतिक्रिया समय 90 प्रतिशत से अधिक घटाने और परिचालन लागत 70 प्रतिशत कम करने का दावा किया है. स्मार्टट्विन के जरिए उत्पाद और संयंत्र को वास्तविक रूप से तैयार करने से पहले उसका आभासी परीक्षण किया जा सकता है, जिससे बाजार में उतारने का समय 44 प्रतिशत तक बेहतर हुआ.

समुद्र में फंसे 228 यात्रियों के बचाव का अभ्यास

पैरादीप, 8 अक्टूबर. ओडिशा के पैरादीप तट के पास भारतीय तटरक्षक बल ने गुरुवार को 12वें राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव अभ्यास 'सारेक्स-2026' का आयोजन किया. इसमें समुद्र में एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने और एक कटेनर जहाज में टकराने के



बाद आग लगने की स्थिति बनाकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान का अभ्यास किया गया. अभ्यास में तटरक्षक बल के साथ नौसेना, वायुसेना, नौवहन से जुड़ी एजेंसियों, समुद्री पुलिस, सीमा शुल्क और ओडिशा प्रशासन समेत कई एजेंसियों ने हिस्सा लिया. अभ्यास की समीक्षा भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने की. इसमें 30 देशों के 32 पर्यवेक्षक भी शामिल हुए. अभ्यास का विषय 'तकनीक के जरिये समुद्री खोज एवं बचाव की तैयारी और सुरक्षा मजबूत करना' रखा गया था. बनाए गए परिदृश्य के अनुसार 228 यात्रियों को लेकर जा रहा एक विमान पैरादीप बंदरगाह के पास समुद्र में गिर गया. विमान का बांचा कटेनर जहाज एमवी जुंबा से टकराया, जिससे

जहाज को नुकसान पहुंचा और आग लग गई. इसके बाद घटना कमान केंद्र सक्रिय कर बचाव अभियान शुरू किया गया.अभियान में हेलिकॉप्टर से यात्रियों को निकालने, जीवनरक्षक नौकाएं और हवा से गिराए जाने वाले जीवनरक्षक उपकरण तैनात करने, बचाव जाल, टोकरियों और अन्य उपकरणों के जरिये लोगों को निकालने का अभ्यास किया गया. दूर से संचालित वाहन की क्षमता भी प्रदर्शित की गई. अभ्यास में तटरक्षक बल के 15 पोत, तीन डॉनियर विमान, तीन एएलएच और एक चेतक हेलिकॉप्टर के अलावा वायुसेना के सी-130जे और एमआई-17 विमान, नौसेना के दो पोत तथा अन्य संसाधन शामिल रहे.

जहाज को नुकसान पहुंचा और आग लग गई. इसके बाद घटना कमान केंद्र सक्रिय कर बचाव अभियान शुरू किया गया.अभियान में हेलिकॉप्टर से यात्रियों को निकालने, जीवनरक्षक नौकाएं और हवा से गिराए जाने वाले जीवनरक्षक उपकरण तैनात करने, बचाव जाल, टोकरियों और अन्य उपकरणों के जरिये लोगों को निकालने का अभ्यास किया गया. दूर से संचालित वाहन की क्षमता भी प्रदर्शित की गई. अभ्यास में तटरक्षक बल के 15 पोत, तीन डॉनियर विमान, तीन एएलएच और एक चेतक हेलिकॉप्टर के अलावा वायुसेना के सी-130जे और एमआई-17 विमान, नौसेना के दो पोत तथा अन्य संसाधन शामिल रहे.

जियो का सैटेलाइट दांव, 1600 उपग्रहों की तैयारी

आकाश अंबानी बोले- भारत को तकनीक का निर्माता बनना होगा

नवभारत न्यूज नेटवर्क नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा है कि भारत को केवल तकनीक का इस्तेमाल करने वाला नहीं, बल्कि तकनीक बनाने वाला देश बनना चाहिए.



भारत मोबाइल कांग्रेस 2026 में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल उद्योग से जुड़े विजन को प्रेरणादायक बताया. अंबानी ने कहा कि जियो उपभोक्ताओं के लिए नई सेवाएं विकसित करने के साथ भारत को तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है. भारत मोबाइल कांग्रेस 2026 में रिलायंस जियो ने सैटेलाइट कनेक्टिविटी को लेकर अपनी बड़ी योजना सामने रखी है. कंपनी करीब 1,600 निम्न पृथ्वी

कक्षा वाले उपग्रहों का समूह तैयार करने की योजना पर काम कर रही है. इसके साथ देशभर में 23 ग्राउंड स्टेशन स्थापित किए जाएंगे. जियो

का लक्ष्य ऐसे इलाकों तक कनेक्टिविटी पहुंचाना है, जहां जमीन आधारित नेटवर्क स्थापित करना मुश्किल है.

जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डिजिटल उद्योग को लेकर विजन कंपनी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. उन्होंने कहा कि भारत को तकनीक का निर्माता बनाने की दिशा में जियो काम कर रही है. अंबानी ने बताया कि कंपनी ने हाल ही में अपने दस साल पूरे किए हैं और अब उसके सामने नई तकनीकों के विस्तार का बड़ा सवाल है. प्रधानमंत्री मोदी ने भी आईएमपी के 10वें संस्करण के उद्घाटन के दौरान कहा कि देश का दूरसंचार क्षेत्र अब केवल नेटवर्क और स्पेक्ट्रम तक सीमित नहीं है.

जीएसटी सुधारों से व्यापारियों को मिलगी बड़ी राहत

▶ कैट मध्यप्रदेश ने 57वीं जीएसटी काउंसिल के फैसलों का स्वागत किया, कहा- जल्द ही अधिसूचना

नवभारत कनेक्ट भोपाल, 8 अक्टूबर 57वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में लिए गए फैसलों का कैट मध्यप्रदेश ने स्वागत किया है. संगठन के प्रदेश महामंत्री योगी राजीव खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और व्यापारी हितैषी बनाने की दिशा में प्रक्रिया सुधारों पर जोर दिया गया है. खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी अधिकारियों की गिरफ्तारी को शक्ति समाप्त करने और अभियोजन की सीमा एक करोड़ से बढ़ाकर



पांच करोड़ रुपए करने का फैसला व्यापारियों का भरोसा बढ़ाने वाला है. उनके अनुसार इससे छोटे और मध्यम व्यापारियों में अनावश्यक दंडात्मक कार्रवाई की आशंका कम होगी और गंभीर कर चोरी के मामलों पर प्रवर्तन का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा.

उन्होंने कहा कि बैठक में व्यापक रूप से जीएसटी दरों में बदलाव के बजाय पंजीयन, रिफंड, इनपुट टैक्स क्रेडिट और अनुपालन प्रक्रिया को आसान बनाने पर जोर रहा. तकनीक आधारित प्रक्रिया से व्यापारियों की कार्यशील पूंजी और अनुपालन लागत कम करने में मदद मिल सकती है. कैट मध्यप्रदेश ने सरकार से इन सुधारों को जल्द अधिसूचित कर प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की है. संगठन का कहना है कि फैसलों का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब जमीनी स्तर पर इनका सरल और पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन हो.

उत्तर मध्य रेलवे		
क्रमांक:-	झाँसी/डब्ल्यूटी/टेंडर जनरल/218	दिनांक: 07.10.2026
ई-टेंडरिंग निविदा सूचना		
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।		
ई-निविदा सूचना संख्या:-	झाँसी-इन्जी0-ई-2026-218	अनुमानित लागत रु.:- 80624846.90
कार्य का नाम:-	पार्ट (ए)- केंद्रवृक्षन ऑफ 12 यूनिट्स टाइप II। क्वार्टर इन चित्रकूट धाम कहीं एंड 10 यूनिट्स टाइप II। क्वार्टर इन घाटमपुर एंड 10 यूनिट्स टाइप III। क्वार्टर इन बांदा अंडर एडीईएन/बांदा जुरिडिक्शन। पार्ट (बी)- केंद्रवृक्षन ऑफ 8 यूनिट्स टाइप II। क्वार्टर इन खजुराहो एंड 10 यूनिट्स टाइप II/2 यूनिट्स टाइप III। न्यू क्वार्टर एट महोबा स्टेशन अंडर एडीईएन/महोबा जुरिडिक्शन।	
अमानत राशि:-	1612500.00	निविदा बन्द होने की तिथि:- 30/10/2026 at 15:00 hrs.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि:- 18 माह		
निविदा दिनांक 30/10/2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें।		
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2284/26(K)		

पूर्वोत्तर रेलवे		
रेलवे बर्थों सेल		
रेलवे मार्केटिंग वर्ष 2026-27 के लिए स्काउट-गाइड कोटा के अंतर्गत बर्थों		
रोजगार सूचना सं० एआईआर/आरआरसी/एसजी/2026-27 दिनांक: 06.10.2026		
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि व समय		
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय		
वर्ष 2026-27 के लिए स्काउट-गाइड कोटा के अंतर्गत लेवल-2 (श्रेड पे-1900) में ग्रुप 'सी' के 03 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे-02 पदों एवं बीएलडब्ल्यू/वाराणसी-01 पद) तथा लेवल-1 (श्रेड पे-1800) में पूर्ववर्ती ग्रुप 'डी' के 08 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे के इन्चार्जनगर, लखनऊ एवं वाराणसी मण्डलों तथा बीएलडब्ल्यू/ वाराणसी, प्रत्येक में 02 पदों) के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत सूचना के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in देखें।		
अध्यक्ष, गुवाथि/आरआरसी-01		
रेलवे बर्थों सेल, गोरखपुर		
दूजों में बीडी/सिगरेट न पिघें		

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांक :- झांसी/ए.डी.ई.एन./हेक्ता II/नीलामी

दिनांक : 06.10.2026

नीलामी सूचना

ईस्ट एरिया रेलवे कॉलोनी स्थित सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट के अंदर चिल्ड्रन पार्क में प्रस्तावित रिविमिंग पूल की साईट पर विभिन्न प्रजाति के 18 वृक्षों की नीलामी सहायक मंडल इंजीनियर (मुख्या-2) झांसी द्वारा की जायेगी जिसकी निर्धारित तिथि, स्थान, समय आदि निम्न है-

अनुमानित संख्या	स्टॉक होल्डर	नीलामी की तिथि एवं समय	अग्रिम धनराशि	पेड़ों के हटाने की समय सीमा	जिसके द्वारा नीलामी की जानी है	नीलामी का स्थान
छिआँला	12	15.10.2026 03:00 PM बजे	रिजर्व मूल्य 7662.00 रु का 10 प्रतिशत अर्थात 767.00 रु मात्र	07 दिन	सहायक मंडल अभियन्ता (मुख्या-2) झांसी	सहायक मंडल अभियन्ता (मुख्या-2) झांसी के कार्यालय में।
नीम	02					
शामो	01					
कैथा	01					
कंजी	02					
कुल	18					

नीलामी में आने वाले व्यक्ति किसी भी कार्यदिवस में आकर एसएसई/कार्य/पूर्वक्षेत्र/झाँसी मो. 9794825575 से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर पेडों का निरीक्षण कर सकते हैं। नीलामी से संबंधित शर्तें:- 1: नीलामी DENU/HQ/JHS द्वारा नामित समिति द्वारा की जाएगी और उसे किसी भी समय नीलामी रद्द करने का अधिकार होगा। 2: आम तौर पर बिक्री उच्च बोली लगाने वाले के पक्ष में की जाएगी लेकिन DENU/HQ/JHS को किसी भी समय और बिना किसी कारण के रद्द करने का अधिकार होगा। 3: नीलाम की जाने वाली सामग्री का आरक्षित मूल्य 7662.00 रुपये बोली इसी न्यूनतम मूल्य से प्रारंभ होगी। 4: नीलाम की गई सामग्री को हटाने का कार्य केवल दिन के समय किया जाएगा। रात में काम करने की अनुमति नहीं है। 5: सभी इच्छुक बोलीदाताओं को अग्रिम धनराशि रु 767.00 केवल एफडीआर के माध्यम से S.DFM/JHS/NCR के पक्ष में जमा करनी होगी। अग्रिम धनराशि नीलामी शुरू होने से कम से कम आधे घंटे पहले यानी दिनांक-15.10.2026 को 02:30PM बजे तक ADENU/HQ-JHS को जमा करनी होगी।केवल वे बोली लगाने वाले, जिन्होंने नामांकित समय और तारीख तक निर्दिष्ट प्रपत्र में अग्रिम धनराशि जमा कर दी है, उन्हें दिनांक - 15.10.2026 को 03:00PM बजे नामांकित स्थल पर नीलामी की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। अपेक्षित अग्रिम धनराशि रु 767.00 जमा राशि के बिना किसी भी बोली लगाने वाले को नीलामी कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। 6: सफल बोलीदाता को स्वीकृत पत्र जारी करने के बाद, असफल बोलीदाताओं को सुरक्षा जमा राशि वापस कर दी जाएगी। सफल उच्चतम बोली लगाने वाले की अग्रिम जमा धनराशि रु 767.00 रु कार्य पूर्ण होने के उपरांत वापस की जायेगी। 7: सफल बोलीदाता को सर्वाधिक बोली जाने वाली धनराशि 03 दिवस के भीतर नगद राशि के रूप में जमा करनी होगी। सर्वाधिक बोली जाने वाली धनराशि 03 दिवस के भीतर जमा न करने की स्थिति में नीलामी रद्द माना जायेगी। 8: नीलामी सामग्री को स्वीकृत बोलीदाता द्वारा अपने स्वयं के श्रम परिवहन के साथ साइट पर स्थित पेडों अर्पनी लागत पर वन विभाग से अनुमति मिलने की तिथि से 07 दिनों के भीतर साइट से हटा दिया जाना है। राज्य/केंद्र सरकार द्वारा लागूया गया कोई भी कर। स्वीकृत बोलीदाता द्वारा भुगतान किया जाएगा। रेलवे इस मद में कोई भुगतान नहीं करेगा। 9: नीलाम की गई सामग्री का निपटान रेलवे भूमि के बाहर किया जाना है और वर्तमान स्थल को रेलवे प्रतिनिधि की संतुष्टि के अनुसार साफ और समतल किया जाना है। 10: नीलामी प्रक्रिया के पश्चात वृक्षों के पालन (कटान) से पूर्व 30000 वृक्ष संरक्षण अधिनियम-1976 (यथा संशोधित) एवं 3000 शासन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-5 के शासनादेश संख्या-24/81-5-5020-97-93 दि.07.01.2020 एवं उत्तर प्रदेश इमारती लकड़ी एवं अन्य वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 के प्राविधानों के अंतर्गत नियमानुसार शुल्क जमा करने की जिम्मेदारी भी खरीददार की होगी एवं वन विभाग से पेडों के कटान से सम्बन्धित सभी अनुमति खरीदार को स्वयं के खर्च पर वहन करनी होगी। 11: किसी भी विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय DENU/HQ/JHS का होगा और इसे किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। 2280/26(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR